## राजभाषा विभाग का मिशन :

सभी रेल कार्यालयों में शत-प्रतिशत सरकारी कार्य हिंदी में कार्यान्वित करना क्योंकि 26 जनवरी, 1950 से 'हिंदी' राजभाषा के रूप में सरकारी कामकाज करने की भाषा है।

## राजभाषा विभाग का ध्येय (Vision) :

रेल के सभी कर्मचारियों को हिंदी में प्रवीण बनाकर एवं विभिन्न रूप से प्रोत्साहित करके उनके द्वारा किए जा रहे सारे सरकारी कामकाज को हिंदी में ही अंजाम दिया जाना। राजभाषा विभाग हिंदी में काम करने तथा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी में काम कराने के लिए सदैव तत्पर है।

## राजभाषा विभाग का संक्षिप्त ब्यौरा :

राजभाषा विभाग के मुख्यत: तीन कार्य हैं -

1. अनुवाद कार्य
2. राजभाषा कार्यान्वयन
3. राजभाषा प्रशिक्षण

**राजभाषा अनुवाद कार्य :** अनुवाद कार्य अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद तथा कुछ असाधारण परिस्थितियों में हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद की जिस्ट देने का प्रावधान है। कोड, मेनुअलों, प्रक्रिया-साहित्य का अनुवाद कार्य। धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले कागजात का प्रोफार्मा तैयार करना। प्रश्न पत्रों का अनुवाद करना इत्यादि।

**राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्य :** राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राजभाषा विभाग, "गृह मंत्रालय" द्वारा जारी "वार्षिक कार्यक्रम" के कार्यान्वयन के साथ सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए विभिन्न आदेशों निर्देशों का अनुपालन कराने और इसके लिए विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं को लागू करने के साथ ही किए जा रहे कार्यों की जांच के लिए चैक-प्वाइंट बनाकर नजर रखने का कार्य करता है। इसके अलावा सभी कार्यालयों/स्टेशनों के राजभाषा संबंधी कार्यों एवं अनुपालन संबंधी विभिन्न स्तरों पर निरीक्षण करना भी इस विभाग की ड्यूटी है। संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा रेल कार्यालयों के निरीक्षण के दौरान उचित रूप से निरीक्षण सम्पन्न कराना तथा प्रधान कार्यालय में प्रत्येक तिमाही में महाप्रबंधक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित करना, जिसके माध्यम से हिंदी में हो रहे कार्य का जायजा लेना व सबको हिंदी के प्रति सजग करना।

**राजभाषा प्रशिक्षण कार्य** : राजभाषा प्रशिक्षण के अधीन सभी कर्मचारियों को जिनकी हिंदी योग्यता या तो अल्प है या बिलकुल नगण्य है, उनके लिए प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित कराना। कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना। राजभाषा सप्ताह एवं समारोह, साहित्यकारों की जयंतियां एवं संगोष्ठियां, विभिन्न मदों पर सेमीनारों का आयोजन करके अधिकारियों व कर्मचारियों को हिंदी से जोड़ना और हिंदी में कार्य करने में अधिकारियों/कर्मचारियों की झिझक एवं कठिनाइयों को दूर करने के लिए विभिन्न प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन करना।

**अन्य महत्वपूर्ण कार्य :** उत्तर रेलवे पर 92 हिंदी पुस्तकालय/वाचनालय स्थापित हैं। प्रधान कार्यालय में हिंदी पुस्तकालय है। इस पुस्तकालय में विभिन्न समाचार-पत्र एवं सभी प्रमुख रूचिकर मैगजीन मंगाई जाती हैं। इसके माध्यम से रेल कर्मियों के बीच हिंदी के प्रति विशेष रूप से हिंदी में रूचि विकसित करने का प्रयास रहता है। इनके अलावा राजभाषा के प्रोत्साहन की दृष्टि से विभिन्न प्रकार की 'पुरस्कार योजनाओं' को भी लागू किया जाता है। विशेष रूप से रेलवे बोर्ड, महाप्रबंधक तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी के विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों और कर्मचारियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया जाता है। इसके अतिरिक्त राजभाषा हिंदी में श्रेष्ठ कार्य करने वाले विभागों, मंडलों/कारखानों आदि को भी राजभाषा शील्ड आदि से सम्मानित किया जाता है।

---